लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर

दिनांक 27.8.2020 पृष्ठ सं 2 कॉलम 6.8

अधिक उपज वाली एचएयू की गेहूं की नई किस्म डब्ल्यूएच 1270 को मिली पहचान

सरकार ने हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, वेस्ट यूपी में बिजाई के लिए किस्म को किया चयनित

एचएयू के गेहूं अनुभाग के वैज्ञानिकों ने कई साल रिसर्च के बाद तैयार की थी उक्त किस्म

महबूब अली | हिसार

डॉ. ओपी बिश्नोई ने कहा-अगेती बिजाई करने से प्रति एकड़ 4 से 8 क्विंटल तक ज्यादा पैदावार ली जा सकती है

हिसार के एचएयू के खाते में एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है। एचएयू ने हाल ही में विकसित की गई अधिक उपज वाली गेहूं की नई किस्म डब्ल्यूएच 1270 को सरकार ने उत्तर-पश्चिम मैदानी क्षेत्रों हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, वेस्ट यूपी में बिजाई के लिए चयनित किया है। यह किस्म हाल ही में एचएयू के गेहूं अनुभाग के वैज्ञानिकों ने कई साल की रिसर्च के बाद तैयार की गई थी।

वीसी डॉ. समर सिंह, डायरेक्टर रिसर्च डॉ. एसके सहरावत ने कहा कि वैज्ञानिकों की मेहनत के बल पर ही गेहूं की उक्त किस्म को तैयार किया गया था। वैज्ञानिकों का प्रयास सराहनीय है। वैज्ञानिकों की बदौलत ही गेहूं की 1270 किस्म का चयन बिजाई के लिए किया गया है। अन्य वैज्ञानिकों को सराहनीय कार्य करने चाहिए, ताकि विवि का नाम रोशन हो।

वैज्ञानिक डॉ. ओपी बिश्नोई के अनुसार इस फसल की पैदावार अन्य किस्म की फसल से चार से पांच प्रतिशत तक अधिक है। यह फसल संरक्षित जल के लिए काफी फायदेमंद है। अगेती बिजाई करने से प्रति एकड़ 4 से 8 क्विंटल तक ज्यादा पैदावार ली जा सकती है। इस किस्म की औसत पैदावार 15.8 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है तथा अधिकतम उपज 91.5 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक ली जा सकती है। यह फसल रोधरहित भी है। यह फसल 156 दिन में पककर तैयार हो जाती है। इसकी औसत ऊंचाई 100 सेमी है। जिसके कारण यह खेत में गिरती भी नहीं है। इसके अंदर प्रोटीन भी 12 प्रतिशत से अधिक है। इसमें उच्चताप सहन करने की भी क्षमता है।

इन वैज्ञानिकों का रहा अहम योगदान

वैज्ञानिक डॉ. ओपी बिश्नोई, डॉ. दिव्या फौगाट, डॉ. विक्रम, डॉ. सोमवीर, डॉ. महेंद्र दलाल, डॉ. योगेंद्र कुमार, डॉ. राकेश कुमार खर्ब इनके अलावा पौध प्रजनन से डॉ. भगत सिंह, डॉ. राजेंद्र बैनीवाल, डॉ. रेणू, डॉ. प्रियंका, डॉ. लोकेश रेड्डी का विशेष सहयोग रहा। सभी वैज्ञानिकों ने गेहूं व जौ अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. अशोक छाबड़ा के नेतृत्व में इस किस्म का इजाद किया है।

प्रजाति पहचान समिति की बैठक में की गई घोषणा

करनाल के भारतीय गेहूं जौ अनुसंधान संस्थान द्वारा 59वीं दो दिवसीय वर्कशॉप आयोजित की गई थी। वर्कशाप के दौरान ही प्रजाति पहचान समिति की बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के फसल विज्ञान विभाग के उप महानिदेशक डॉ. टीआर शर्मा ने की। इस बैठक में विभिन्न परिस्थितियों से निपटने के लिए गेहूं और जौ की नई किस्मों की पहचान की गई। इसी बैठक में एचएयू द्वारा विकसित नई किस्म का चयन उत्तर पश्चिम मैदानी क्षेत्रों हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, वेस्ट यूपी में बिजाई के लिए किया गया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर
दिनांक 27.8.2020 पृष्ठ सं 5 कॉलम 1-4

भारतीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान केंद्र करनाल ने गेहूं की 10 नई किस्म की हैं ईजाद

हरियाणा समेत 7 राज्यों में लगाई जा सकती हैं 4 किस्में, किसानों की सुधरेगी आर्थिक स्थिति

- दक्षिण हरियाणा और राजस्थान के किसानों को होगा सीधा फायदा

रोहताश शर्मा | करनाल

भारतीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान केंद्र करनाल ने गेहूं की 10 और जौ की एक नई किस्म ईजाद की है। इनकी पैदावार बहुत अच्छी है। गेहूं की एक किस्म चौ. चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय हिसार ने ईजाद की। इन किस्मों की पैदावार बहुत अच्छी है, इनकी किस्मों की खेती करने से किसानों की आर्थिक स्थिति में क्रांतिकारी सुधार होगा। जौ की जो नई किस्म आई है, इससे भी किसानों को बहुत ज्यादा फायदा होगा। पहले भारत में उगे जौ का प्रयोग दूसरे देशों में बीयर के लिए इतना अच्छा नहीं होता था। लेकिन यह जौ की श्रेष्ठ किस्म है। इससे अच्छी बीयर बनेगी। खासकर दक्षिण हरियाण और राजस्थान के किसानों को इसका सीधा फायदा होगा। इस किस्म की डिमांड दूसरे देशों में भी बढ़ेगी।

ये नई किस्में की हैं ईजाद

डॉ. जीपी सिंह

भारतीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. जीपी सिंह ने बताया कि इस बार देशभर में दस किस्मों की पहचान की गई है। इसमें उत्तर-पश्चिमी मैदानी क्षेत्र के लिए एचडी 3298, डीबीडब्ल्यू 187 अगेती बुवाई-सिंचित, डीबीडब्ल्यू 303 अगेती बुवाई-सिंचित, डब्ल्यू एच 1270 अगेती बुवाई-सिंचित; उत्तर पूर्वी मैदानी क्षेत्र के लिए एचडी 3293 सीमित सिंचाई-समय से बुवाई, मध्य क्षेत्र के लिए, सीजी 1029 सिंचित-देर से बुवाई, एचआई 1634 सिंचित-देर से बुवाई, प्रायद्वीपीय क्षेत्र के लिए डीडीडब्ल्यू 48 (डी) सिंचित-समय से बुवाई, एचआई 1633 सिंचित-देर से बुवाई, एनआईडीडब्ल्यू 1149 (डी) सीमित सिंचाई- समय से बुवाई। उत्तर पश्चिमी मैदानी क्षेत्र के लिए खेती के लिए एक माल्ट जौ किस्म डीडब्ल्यूआरबी 182 सिंचित-समय से बुवाई की पहचान की गई है।

डीबीडब्ल्यू 303 की प्रति हेक्टेयर पैदावार औसतन 81.1 क्विंटल : डीबीडब्ल्यू 303 की प्रति हेक्टेयर पैदावार औसतन 81.1 क्विंटल है। इस किस्म की खास बात यह किसी भी मौसम में गिरती-नहीं है। इसका तना भी 85 सेंटीमीटर तक बढ़ता हैं, इससे भूसा भी अच्छा निकलेगा।

डीबीडब्ल्यू 187 की प्रति हेक्टेयर पैदावार 100 क्विंटल

डीबीडब्ल्यू 187 अगेती किस्म हैं। पहले यह किस्म पूर्वी भारत में लगाई जाती थी। लेकिन अब इसे उत्तरी भारत के लिए भी रिलीज कर दिया है। किसान इसकी पैदावार प्रति एक हेक्टेयर 100 क्विंटल तक ले रहे हैं।

डब्ल्यू एच 1270 की प्रति हेक्टेयर पैदावार 76 क्विंटल

चौ. चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय ने भी गेहूं की एक किस्म ईजाद डब्ल्यू एच 1270 ईजाद की है। इसकी यील्ड प्रति हेक्टेयर 76 क्विंटल है। पिछले दो साल से इस पर रिसर्च चल रही थी।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर
दिनांक 27.8.2020 पृष्ठ सं 2 कॉलम 7-8

एचएयू के छात्रों को अब ऑनलाइन पढ़ाएंगे आस्ट्रेलिया, जर्मनी व स्विट्जरलैंड के प्रोफेसर

भास्कर न्यूज | हिसार

कोरोना काल में स्टूडेंट्स को किसी भी तरह की परेशानी न हो इसको लेकर एचएयू प्रशासन गंभीर है। जल्द ही एचएयू के छात्रों को ऑनलाइन पढ़ाने के लिए आस्ट्रेलिया, जर्मनी और स्विट्जरलैंड के प्रोफेसर का सहारा विवि ले सकता है। आगामी दिनों में विवि प्रशासन की होने वाली बैठक में इस पर मुहर लग सकती है। यहीं नहीं भविष्य में पढ़ाई ऑनलाइन चलेगी या फिर बच्चों को विवि में आना पड़ेगा, इस पर भी अहम निर्णय लिया जाएगा। एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह का कहना है कि छात्र एवं छात्राओं को पढ़ाई के दौरान किसी भी तरह की परेशानी न हो। इसके लिए विवि आस्ट्रेलिया, जर्मनी, स्विट्जरलैंड आदि के विवि का सहारा लेगा। विदेशी विवि के प्रोफेसर से समय-समय पर छात्र एवं छात्राओं को ऑनलाइन पढ़ाई के टिप्स दिए जाएंगे। यहीं नहीं समय समय पर विदेशी प्रोफेसर विवि और कॉलेज की विजिट भी करेंगे। विदेशी माहौल और वहां की पढ़ाई से भी छात्र छात्राओं के साथ-साथ फैकल्टी को भी ट्रेंड किया जाएगा। जल्द ही इस संबंध में विवि प्रशासन की बैठक होनी है। बैठक में ही विदेशी फैकल्टी की मदद लेने पर विचार विमर्श किया जाएगा। वीसी का कहना है कि प्रयास है कि छात्र एवं छात्राओं को किसी भी तरह की परेशानी न होने दी जाए। हालांकि छात्र एवं छात्राओं से विवि की फैकल्टी खुद कॉल कर भी परेशानी का पता लगाकर दूर करने का प्रयास कर रही है।

विदेशी प्रोफेसर द्वारा टिप्स दिलाने का प्रापोजल अभी विवि प्रशासन की बैठक में तय होना है। इससे छात्र एवं छात्राओं को पढ़ाई में काफी मदद मिलेगी
– प्रोफेसर समर सिंह, कुलपति, एचएयू, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर

दिनांक 27.8.2020 पृष्ठ सं 2 कॉलम 6

अब एचएयू में बढ़ाई जाएंगी स्मार्ट क्लासेस

हिसार | कोरोना से बचाव के मद्देनजर एचएयू जल्द ही स्मार्ट क्लास को बढ़ाने जा रहा है। छात्र एवं छात्राएं ऑनलाइन ही पढ़ाई कर सकेंगे। यहीं नहीं स्मार्ट क्लास के माध्यम से छात्र प्रोफेसर के लेक्चर में भी शामिल हो सकेंगे। एचएयू के कुलपति ने पांच और स्मार्ट क्लास बनवाने के लिए प्रयास तेज कर दिए है। कुलपति का कहना है कि छात्र एवं छात्राओं को किसी भी तरह की परेशानी नहीं होने दी जाएगी। दरअसल, कोरोना वायरस से बचाव के मद्देनजर एचएयू के स्टूडेंट ऑनलाइन ही पढ़ाई कर रहे हैं। एचएयू में वर्तमान में पांच से छह स्मार्ट क्लास मौजूद है। जिनके माध्यम से बच्चों को ऑनलाइन पढ़ाया जा रहा है। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि छात्र एवं छात्राओं को किसी भी तरह की परेशानी न हो, इसको देखते हुए स्मार्ट क्लास बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। जल्द ही क्लास बढ़ा दी जाएगी। हालांकि अभी छात्रों की पढ़ाई ऑनलाइन ही होगी।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम: दैनिक भास्कर
दिनांक: 27.8.2020 पृष्ठ सं.: 2 कॉलम: 6-8

कविता से बताई देश की उन्नति में महिलाओं की भूमिका

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय की लिटरेरी एंड डिबेटिंग सोसायटी और जेंडर चैंपियन क्लब द्वारा विश्व महिला समानता दिवस के अवसर पर एक ऑनलाइन कविता वाचन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में 74 प्रतिभागियों ने भाग लिया था।

कविता वाचन स्पर्धा में विजेता।

इस दौरान हिन्दी कविता वाचन प्रतियोगिता में भावना ने प्रथम व सुनैना मलिक ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। जबकि अंग्रेजी कविता वाचन में वत्सल ने प्रथम, शुभम ने द्वितीय व श्रुति ने तृतीय स्थान पर रहे। कविता वाचन का संचालन लिटरेरी एंड डिबेटिंग सोसायटी व जेंडर चैंपियन क्लब के सदस्यों डॉ. अपर्णा, डॉ. विरेंद्र दलाल, डॉ. अनुराग व डॉ. राजेश कथवाल द्वारा किया गया। इस अवसर पर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेन्द्र दहिया ने संबोधित किया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर

दिनांक 27.8.2020 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 5

मशरूम की खेती एक लाभदायक व्यवसाय विषय पर प्रशिक्षण शुरू

हिसार | मशरूम की खेती से किसान कम लागत में अधिक मुनाफा ले सकते हैं। मशरूम व्यवसाय शुरू करने के लिए ज्यादा जगह की भी जरूरत नहीं पड़ती और किसान छोटे से कच्चे छप्पर से भी इसकी शुरुआत कर सकते हैं। ये विचार एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे विवि के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान की तरफ से आयोजित तीन दिवसीय 'मशरूम की खेती : एक लाभदायक व्यवसाय' विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण के शुभारंभ पर प्रशिक्षणार्थियों को ऑनलाइन संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि खुम्ब एक संतुलित आहार है। इसमें प्रोटीन की मात्रा 30-40 प्रतिशत तक होती है, इसलिए शाकाहारी लोगों के लिए प्रोटीन का एक अच्छा स्त्रोत है, जिससे यह हमें रोगों से लड़ने की क्षमता प्रदान करता है। इसमें आवश्यक अमीनो एसिड, खनिज, विटामिन इत्यादि प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। सब्जियों में विटामिन-डी खुम्ब में पाया जाता है। प्रो. समर सिंह ने कहा कि युवक व युवतियां खुम्ब उत्पादन/प्रसंस्करण को एक स्वरोजगार की तरह अपनाकर आत्मनिर्भर बन सकते हैं।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम अमर उजाला, हरि-भूमि
दिनांक 27.8.2020 पृष्ठ सं 3, 9 कॉलम 3, 1-2

'मशरूम की खेती से कम लागत में ज्यादा मुनाफा ले सकते हैं'

हिसार। मशरूम की खेती से किसान कम लागत में अधिक मुनाफा ले सकते हैं। मशरूम व्यवसाय को शुरू करने के लिए ज्यादा जगह की भी जरूरत नहीं पड़ती और किसान छोटे से कच्चे छप्पर से भी इसकी शुरुआत कर सकते हैं। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कही। वे विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित तीन दिवसीय 'मशरूम की खेती : एक लाभदायक व्यवसाय' विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण के शुभारंभ अवसर पर बुधवार को प्रशिक्षणार्थियों को ऑनलाइन संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि खुंब एक संतुलित आहार है। इसमें प्रोटीन की मात्रा 30-40 प्रतिशत तक पाई जाती है, इसलिए शाकाहारी लोगों के लिए प्रोटीन का एक अच्छा स्रोत है, जिससे यह हमें रोगों से लड़ने की क्षमता प्रदान करता है। इसके इलावा इसमें आवश्यक अमीनो एसिड, खनिज, विटामिन इत्यादि प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। ब्यूरो

मशरूम की खेती से कम लागत में मुनाफा

हिसार। मशरूम की खेती से किसान कम लागत में अधिक मुनाफा ले सकते हैं। मशरूम व्यवसाय को शुरू करने के लिए ज्यादा जगह की भी जरूरत नहीं पड़ती और किसान छोटे से कच्चे छप्पर से भी इसकी शुरुआत कर सकते हैं। यह विचार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित तीन दिवसीय मशरूम की खेती एक लाभदायक व्यवसाय विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण के शुभारंभ अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को ऑनलाइन संबोधित कर रहे थे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम: हरि भूमि

दिनांक: 27. 8. 2020 पृष्ठ सं. 9 कॉलम 1-2

ऑनलाइन कविता वाचन में भावना रही प्रथम

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय की लिटरेरी एंड डिबेटिंग सोसायटी व जेंडर चैंपियन क्लब द्वारा विश्व महिला समानता दिवस के अवसर पर एक ऑनलाइन कविता वाचन प्रतियोगिता का आयोजन. किया गया। छात्र कल्याण निदेशालय के निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया ने बताया कि इस प्रतियोगिता में 74 प्रतिभागियों ने भाग लिया था। इस दौरान हिन्दी कविता वाचन प्रतियोगिता में भावना ने प्रथम व सुनैना मलिक ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। अंग्रेजी कविता वाचन में वत्सल ने प्रथम, शुभम ने द्वितीय व श्रुति ने तृतीय स्थान हासिल किया। कविता वाचन का संचालन लिटरेरी एंड डिबेटिंग सोसायटी व जेंडर चैंपियन क्लब के सदस्यों डॉ. अपर्णा, डॉ. विरेंद्र दलाल, डॉ. अनुराग व डॉ. राजेश कथवाल द्वारा किया गया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम पँजाब केसरी, अमर उजाला
दिनांक 27.2.2020 पृष्ठ सं 2, 3 कॉलम 5-6, 1-2

ऑनलाइन कविता वाचन में भावना रही प्रथम

हिसार, 26 अगस्त (ब्यूरो): विश्व महिला सम्मानता दिवस पर ऑनलाइन कविता वाचन प्रतियोगिता का आयोजन चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय की लिटरेरी एंड डिबेटिंग सोसायटी व जैंडर चैंपियन क्लब द्वारा किया गया। छात्र कल्याण निदेशालय के निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया ने बताया कि प्रतियोगिता में 74 प्रतिभागियों ने भाग लिया था। इस दौरान हिन्दी कविता वाचन प्रतियोगिता में भावना ने प्रथम व सुनैना मलिक ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। अंग्रेजी कविता वाचन में वत्सल ने प्रथम, शुभम ने द्वितीय व श्रुति ने तृतीय स्थान हासिल किया। कविता वाचन का संचालन लिटरेरी एंड डिबेटिंग सोसायटी व जैंडर चैंपियन क्लब के सदस्यों डॉ. अपर्णा, डॉ. विरेंद्र दलाल, डॉ. अनुराग व डॉ. राजेश कथवाल द्वारा किया गया।

ऑनलाइन कविता वाचन में भावना रही प्रथम

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय की लिटरेरी एंड डिबेटिंग सोसायटी व जेंडर चैंपियन क्लब द्वारा विश्व महिला समानता दिवस के अवसर पर एक ऑनलाइन कविता वाचन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। छात्र कल्याण निदेशालय के निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने बताया कि इस प्रतियोगिता में 74 प्रतिभागियों ने भाग लिया था। हिंदी कविता वाचन प्रतियोगिता में भावना ने प्रथम व सुनैना मलिक ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। अंग्रेजी कविता वाचन में वत्सल ने प्रथम, शुभम ने द्वितीय व श्रुति ने तृतीय स्थान हासिल किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....हैलो हिसार.....

दिनांक 26.8.2020..पृष्ठ संख्या.....1.....कॉलम.....1.....

मशरूम की खेती से कम लागत में ज्यादा मुनाफा ले सकते हैं किसान : प्रो. समर सिंह

हैलो हिसार न्यूज

हिसार : मशरूम की खेती से किसान कम लागत में अधिक मुनाफा ले सकते हैं। मशरूम व्यवसाय को शुरू करने के लिए ज्यादा जगह की भी जरूरत नहीं पड़ती और

किसान छोटे से कच्चे छप्पर से भी इसकी शुरूआत कर सकते हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित तीन दिवसीय 'मशरूम की खेती : एक लाभदायक व्यवसाय' विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण के शुभारंभ अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को ऑनलाइन संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि खुम्ब एक संतुलित आहार है। इसमें प्रोटीन की मात्रा 30-40 प्रतिशत तक पाई जाती है, इसलिए शाकाहारी लोगों के लिए प्रोटीन का एक अच्छा स्त्रोत है, जिससे यह हमें रोगों से लड़ने की क्षमता प्रदान करता है। इसके इलावा इसमें आवश्यक अमीनो एसिड, खनिज, विटामिन इत्यादि प्रचुर मात्रा में पाए जाते है। सब्जियों में विटामिन-डी खुम्ब में पाया जाता है। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि युवक व युवतियां खुम्ब उत्पादन/प्रसंस्करण को एक स्वरोजगार की तरह अपनाकर आत्मनिर्भर बन सकते हैं।

हरियाणा व पंजाब के 35 प्रतिभागी ले रहे हैं प्रशिक्षण विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान की सह-निदेशिका डॉ. मंजू दहिया ने बताया कि हरियाणा व पंजाब के

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम: नित्य शक्ति टाईम्स
दिनांक: 26. 8. 2020 पृष्ठ सं. – कॉलम –

मशरूम की खेती से कम लागत में ज्यादा मुनाफा ले सकते हैं किसान : प्रो. समर सिंह

'मशरुम की खेती एक लाभदायक व्यवसाय' विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण शुरू

नित्य शक्ति टाइम्स न्यूज

हिसार। मशरूम की खेती से किसान कम लागत में अधिक मुनाफा ले सकते हैं। मशरूम व्यवसाय को शुरू करने के लिए ज्यादा जगह की भी जरूरत नहीं पड़ती और किसान छोटे से कच्चे छप्पर से भी इसकी शुरूआत कर सकते हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित तीन दिवसीय 'मशरूम की खेती = एक लाभदायक व्यवसाय' विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण के शुभारंभ अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को ऑनलाइन संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि खुम्ब एक संतुलित आहार है। इसमें प्रोटीन की मात्रा 30-40 प्रतिशत तक पाई जाती है, इसलिए शाकाहारी लोगों के लिए प्रोटीन का एक अच्छा स्त्रोत है, जिससे यह हमें रोगों से लडने् की क्षमता प्रदान करता है। इसके इलावा इसमें आवश्यक अमीनो एसिड, खनिज, विटामिन इत्यादि प्रचुर मात्रा में पाए जाते है। सब्जियों में विटामिन-डी खुम्ब में पाया जाता है।

हरियाणा व पंजाब के 35 प्रतिभागी ले रहे हैं प्रशिक्षण

विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान की सह-निदेशिका डॉ. मंजू दहिया ने बताया कि हरियाणा व पंजाब के विभिन्न जिलों से लगभग 35 प्रशिक्षार्थी भाग ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण में प्रशिक्षणार्थियों को स्वावलंबी बनने के लिए प्रेरित किया जाएगा। साथ ही उन्हें कृषि से जुड़े विभिन्न कौशल प्रशिक्षणों के बारे में भी अवगत कराया जाएगा, जिसमें गार्डनर, ट्रैक्टर ऑपरेटर, बीकीपर, मशरूम ग्रोवर, सूक्ष्म सिंचाई तकनीक, जैविक खेती व फूलों की खेती आदि शामिल हैं। इस प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा मशरूम की उत्पादन तकनीक, मूल्य संवर्धन व मार्केटिंग इत्यादि पर भी विस्तारपूर्वक जानकारी दी जाएगी। इस ऑनलाइन प्रशिक्षण की संयोजिका डॉ. पवित्रा कुमारी व डॉ. उषा कौशिक हैं।

प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि युवक व युवतियां खुम्ब उत्पादन/प्रसंस्करण को एक स्वरोजगार की तरह अपनाकर आत्मनिर्भर बन सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पाठकपक्ष.....

दिनांक 26.8.2020 पृष्ठ संख्या.....–.....कॉलम.....–.....

मशरूम की खेती से कम लागत में ज्यादा मुनाफा ले सकते हैं किसान : प्रोफेसर समर सिंह

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 26 अगस्त : मशरूम की खेती से किसान कम लागत में अधिक मुनाफा ले सकते हैं। मशरूम व्यवसाय को शुरू करने के लिए ज्यादा जगह की भी जरूरत नहीं पड़ती और किसान छोटे से कच्चे छप्पर से भी इसकी शुरूआत कर सकते हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित तीन दिवसीय 'मशरूम की खेती : एक लाभदायक व्यवसाय' विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण के शुभारंभ अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को ऑनलाइन संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि खुम्ब एक संतुलित आहार है। इसमें प्रोटीन की मात्रा 30-40 प्रतिशत तक पाई जाती है,

इसलिए शाकाहारी लोगों के लिए प्रोटीन का एक अच्छा स्त्रोत है, जिससे यह हमें रोगों से लड़ने की क्षमता प्रदान करता है। इसके इलावा इसमें आवश्यक अमीनो एसिड, खनिज, विटामिन इत्यादि प्रचुर मात्रा में पाए जाते है। सब्जियों में विटामिन-डी खुम्ब में पाया जाता है। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि युवक व युवतियां खुम्ब उत्पादन/प्रसंस्करण को एक स्वरोजगार की तरह अपनाकर आत्मनिर्भर बन सकते हैं।

हरियाणा व पंजाब के 35 प्रतिभागी ले रहे हैं प्रशिक्षण

विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान की सह-निदेशिका डॉ. मंजू दहिया ने बताया कि हरियाणा व पंजाब के विभिन्न जिलों से लगभग 35 प्रशिक्षार्थी भाग ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण में प्रशिक्षणार्थियों को स्वावलंबी बनने के लिए प्रेरित किया जाएगा। साथ ही उन्हें कृषि से जुड़े विभिन्न कौशल प्रशिक्षणों के बारे में भी अवगत कराया जाएगा, जिसमें गार्डनर, ट्रैक्टर ऑपरेटर, बीकीपर, मशरूम ग्रोवर, सूक्ष्म सिंचाई तकनीक, जैविक खेती व फूलों की खेती आदि शामिल हैं। इस प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा मशरूम की उत्पादन तकनीक, मूल्य संवर्धन व मार्केटिंग इत्यादि पर भी विस्तारपूर्वक जानकारी दी जाएगी। इस ऑनलाइन प्रशिक्षण की संयोजिका डॉ. पवित्रा कुमारी व डॉ. उषा कौशिक हैं।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम...... सिटी पल्स ......
दिनांक 26. 8. 2020 ...... पृष्ठ सं. – ...... कॉलम – ......

'मशरूम की खेती : एक लाभदायक व्यवसाय' विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण शुरू

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। मशरूम की खेती से किसान कम लागत में अधिक मुनाफा ले सकते हैं। मशरूम व्यवसाय को शुरू करने के लिए ज्यादा जगह की भी जरूरत नहीं पड़ती और किसान छोटे से कच्चे छप्पर से भी इसकी शुरूआत कर सकते हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित तीन दिवसीय 'मशरूम की खेती : एक लाभदायक व्यवसाय' विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण के शुभारंभ अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को ऑनलाइन संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि खुम्ब एक संतुलित आहार है। इसमें प्रोटीन की मात्रा 30-40 प्रतिशत तक पाई जाती है, इसलिए शाकाहारी लोगों के लिए प्रोटीन का एक अच्छा स्त्रोत है, जिससे यह हमें रोगों से लड़ने की क्षमता प्रदान करता है। इसके इलावा इसमें आवश्यक अमीनो एसिड, खनिज, विटामिन इत्यादि प्रचुर मात्रा में पाए जाते है। सब्जियों में विटामिन-डी खुम्ब में पाया जाता है। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि युवक व युवतियां खुम्ब उत्पादन/प्रसंस्करण को एक स्वरोजगार की तरह अपनाकर आत्मनिर्भर बन सकते हैं।

हरियाणा व पंजाब के 35 प्रतिभागी ले रहे हैं प्रशिक्षण

विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान की सह-निदेशिका डॉ. मंजू दहिया ने बताया कि हरियाणा व पंजाब के विभिन्न जिलों से लगभग 35 प्रशिक्षार्थी भाग ले रहे है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पांच बजे.....

दिनांक 26.8.2020.....पृष्ठ संख्या.....-.....कॉलम.....-.....

मशरूम की खेती से कम लागत में ज्यादा मुनाफा ले सकते हैं किसान : प्रो. समर सिंह

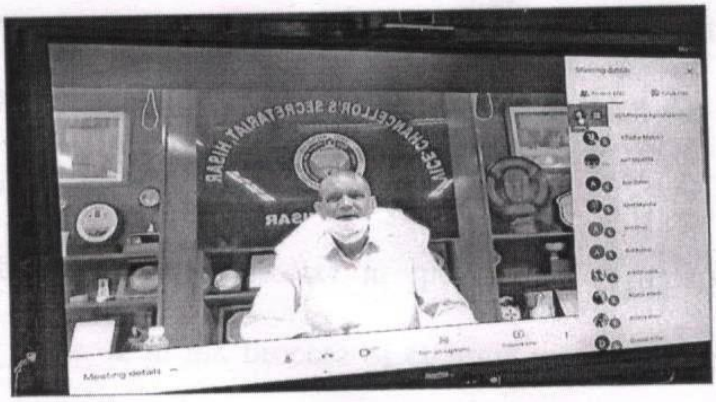

पांच बजे ब्यूरो

हिसार।मशरूम की खेती से किसान कम लागत में अधिक मुनाफा ले सकते हैं। मशरूम व्यवसाय को शुरू करने के लिए ज्यादा जगह की भी जरूरत नहीं पड़ती और किसान छोटे से कच्चे छप्पर से भी इसकी शुरूआत कर सकते हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित तीन दिवसीय 'मशरूम की खेती : एक लाभदायक व्यवसाय' विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण के शुभारंभ अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को ऑनलाइन संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि खुम्ब एक संतुलित आहार है। इसमें प्रोटीन की मात्रा 30-40 प्रतिशत तक पाई जाती है, इसलिए शाकाहारी लोगों के लिए प्रोटीन का एक अच्छा स्त्रोत है, जिससे यह हमें रोगों से लड़ने की क्षमता प्रदान करता है। इसके इलावा इसमें आवश्यक अमीनो एसिड, खनिज, विटामिन इत्यादि प्रचुर मात्रा में पाए जाते है। सब्जियों में विटामिन-डी खुम्ब में पाया जाता है। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि युवक व युवतियां खुम्ब उत्पादन/प्रसंस्करण को एक स्वरोजगार की तरह अपनाकर आत्मनिर्भर बन सकते हैं। विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान की सह-निदेशिका डॉ. मंजू दहिया ने बताया कि हरियाणा व पंजाब के विभिन्न जिलों से लगभग 35 प्रशिक्षार्थी भाग ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण में प्रशिक्षणार्थियों को स्वावलंबी बनने के लिए प्रेरित किया जाएगा। साथ ही उन्हें कृषि से जुड़े विभिन्न कौशल प्रशिक्षणों के बारे में भी अवगत कराया जाएगा, जिसमें गार्डनर, ट्रैक्टर ऑपरेटर, बीकीपर, मशरूम ग्रोवर, सूक्ष्म सिंचाई तकनीक, जैविक खेती व फूलों की खेती आदि शामिल हैं। इस प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा मशरूम की उत्पादन तकनीक, मूल्य संवर्धन व मार्केटिंग इत्यादि पर भी विस्तारपूर्वक जानकारी दी जाएगी। इस ऑनलाइन प्रशिक्षण की संयोजिका डॉ. पवित्रा कुमारी व डॉ. उषा कौशिक हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........हिसार टुडे........

दिनांक 26.8.2020 पृष्ठ संख्या......–...... कॉलम......–......

मशरूम की खेती : एक लाभदायक व्यवसाय' विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण शुरू

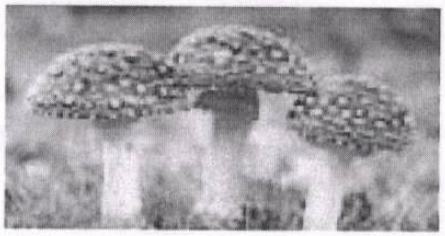

हिसार। मशरूम की खेती से किसान कम लागत में अधिक मुनाफा ले सकते हैं। मशरूम व्यवसाय को शुरू करने के लिए ज्यादा जगह की भी जरूरत नहीं पड़ती और किसान छोटे से कच्चे छप्पर से भी इसकी शुरूआत कर सकते हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि

प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित तीन दिवसीय 'मशरूम की खेती : एक लाभदायक व्यवसाय' विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण के शुभारंभ अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को ऑनलाइन संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि खुम्ब एक संतुलित आहार है। इसमें प्रोटीन की मात्रा 30-40 प्रतिशत तक पाई जाती है, इसलिए शाकाहारी लोगों के लिए प्रोटीन का एक अच्छा स्त्रोत है, जिससे यह हमें रोगों से लडऩे की क्षमता प्रदान करता है। इसके इलावा इसमें आवश्यक अमीनो एसिड, खनिज, विटामिन इत्यादि प्रचुर मात्रा में पाए जाते है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पाठकपक्ष.....

दिनांक 26.8.2020.....पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—.....

ऑनलाइन कविता वाचन में भावना रही प्रथम

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 26 अगस्त : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय की लिटरेरी एंड डिबेटिंग सोसायटी व जेंडर चैंपियन क्लब द्वारा विश्व महिला समानता दिवस के अवसर पर एक ऑनलाइन कविता वाचन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। छात्र कल्याण निदेशालय के निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया ने बताया कि इस प्रतियोगिता में 74 प्रतिभागियों ने भाग लिया था। इस दौरान हिन्दी कविता वाचन प्रतियोगिता में भावना ने प्रथम व सुनैना मलिक ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। अंग्रेजी कविता वाचन में वत्सल ने प्रथम, शुभम ने द्वितीय व श्रुति ने तृतीय स्थान हासिल किया। कविता वाचन का संचालन लिटरेरी एंड डिबेटिंग सोसायटी व जेंडर चैंपियन क्लब के सदस्यों डॉ. अपर्णा, डॉ. विरेंद्र दलाल, डॉ. अनुराग व डॉ. राजेश कथवाल द्वारा किया गया। इस अवसर पर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेन्द्र दहिया ने कहा कि महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पुरूषों से कम नहीं हैं। वे आज प्रत्येक क्षेत्र में पुरूषों के साथ कंधे-से-कंधा मिलाकर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दे रही हैं। इस अवसर पर देश के प्रत्येक जिम्मेदार नागरिक को प्रण लेना चाहिए कि वे समाज में महिलाओं के प्रति समानता का भाव अपनाते हुए उन्हें राष्ट्रहित में अपना योगदान देने के लिए ज्यादा अवसर प्रदान करेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम............नभ: छोर............

दिनांक 26. 8. 2020 पृष्ठ संख्या........-........कॉलम........-........

भावना व वत्सल ने सुनाई श्रेष्ठ कविता

हिसार/26 अगस्त/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय की लिटरेरी एंड डिबेटिंग सोसायटी व जेंडर चैंपियन क्लब द्वारा विश्व महिला समानता दिवस के अवसर पर एक ऑनलाईन कविता वाचन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। छात्र कल्याण निदेशालय के निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया ने बताया कि इस प्रतियोगिता में 74 प्रतिभागियों ने भाग लिया था। इस दौरान हिन्दी कविता वाचन प्रतियोगिता में भावना ने प्रथम व सुनैना मलिक ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। अंग्रेजी कविता वाचन में वत्सल ने प्रथम, शुभम ने द्वितीय व श्रुति ने तृतीय स्थान हासिल किया। कविता वाचन का संचालन लिटरेरी एंड डिबेटिंग सोसायटी व जेंडर चैंपियन क्लब के सदस्यों डॉ. अपर्णा, डॉ. विरेंद्र दलाल, डॉ. अनुराग व डॉ. राजेश कथवाल द्वारा किया गया। इस अवसर पर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेन्द्र दहिया ने कहा कि महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पुरूषों से कम नहीं हैं। वे

आज प्रत्येक क्षेत्र में पुरूषों के साथ कंधे-से-कंधा मिलाकर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दे रही हैं। इस अवसर पर देश के प्रत्येक जिम्मेदार नागरिक को प्रण लेना चाहिए कि वे समाज में महिलाओं के प्रति समानता का भाव अपनाते हुए उन्हें राष्ट्र हित में अपना योगदान देने के लिए ज्यादा अवसर प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में हर क्षेत्र में महिलाओं ने अपना लोहा मनवाया है। उन्होंने कहा कि वेद-पुराणों में भी कहा गया है कि जहां नारी की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....नित्य शक्ति टाइम्स.....

दिनांक 26.8.2020 पृष्ठ संख्या.....-.....कॉलम.....-.....

ऑनलाइन कविता वाचन में भावना ने मारी बाजी

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विश्व महिला समानता दिवस पर ऑनलाइन कविता वाचन प्रतियोगिता का आयोजन

नित्य शक्ति टाइम्स न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय की लिटरेरी एंड डिबेटिंग सोसायटी व जेंडर चैंपियन क्लब द्वारा विश्व महिला समानता दिवस के अवसर पर एक ऑनलाइन कविता वाचन प्रतियोगिता का आयोजन. किया गया। छात्र कल्याण निदेशालय के निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया ने बताया कि इस प्रतियोगिता में 74 प्रतिभागियों ने भाग लिया था। इस दौरान हिन्दी कविता वाचन प्रतियोगिता में भावना ने प्रथम व सुनैना मलिक ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

अंग्रेजी कविता वाचन में वत्सल ने प्रथम, शुभम ने द्वितीय व श्रुति ने तृतीय स्थान हासिल किया। कविता वाचन का संचालन लिटरेरी एंड डिबेटिंग सोसायटी व जेंडर चैंपियन क्लब के सदस्यों डॉ. अपर्णा, डॉ. विरेंद्र दलाल, डॉ. अनुराग व डॉ. राजेश कथवाल द्वारा किया गया। इस अवसर पर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेन्द्र दहिया ने कहा कि महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पुरूषों से कम नहीं हैं। वे आज प्रत्येक क्षेत्र में पुरूषों के साथ कंधे-से-कंधा मिलाकर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दे रही हैं।

इस अवसर पर देश के प्रत्येक जिम्मेदार नागरिक को प्रण लेना चाहिए कि वे समाज में महिलाओं के प्रति समानता का भाव अपनाते हुए उन्हें राष्ट्र हित में अपना योगदान देने के लिए ज्यादा अवसर प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में हर क्षेत्र में महिलाओं ने अपना लोहा मनवाया है। उन्होंने कहा कि वेद-पुराणों में भी कहा गया है कि जहां नारी की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........सिटी पल्स........
दिनांक 26.8.2020 पृष्ठ सं. - कॉलम -

ऑनलाइन कविता वाचन में भावना रही प्रथम

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय की लिटरेरी एंड डिबेटिंग सोसायटी व जेंडर चैंपियन क्लब द्वारा विश्व महिला समानता दिवस के अवसर पर एक ऑनलाइन कविता वाचन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। छात्र कल्याण निदेशालय के निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया ने बताया कि इस प्रतियोगिता में 74 प्रतिभागियों ने भाग लिया था। इस दौरान हिन्दी कविता वाचन प्रतियोगिता में भावना ने प्रथम व सुनैना मलिक ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। अंग्रेजी कविता वाचन में वत्सल ने प्रथम, शुभम ने द्वितीय व श्रुति ने तृतीय स्थान हासिल किया। कविता वाचन का संचालन लिटरेरी एंड डिबेटिंग सोसायटी व जेंडर चैंपियन क्लब के सदस्यों डॉ. अपर्णा, डॉ. विरेंद्र दलाल, डॉ. अनुराग व डॉ. राजेश कथवाल द्वारा किया गया। इस अवसर पर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेन्द्र दहिया ने कहा कि महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पुरूषों से कम नहीं हैं। वे आज प्रत्येक क्षेत्र में पुरूषों के साथ कंधे-से-कंधा मिलाकर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दे रही हैं। उन्होंने कहा कि वेद-पुराणों में भी कहा गया है कि जहां नारी की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....सच कहूँ घोष सिरसा....

दिनांक 26.8.2020 पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—.....

ऑनलाइन कविता वाचन में भावना रही प्रथम

हकृवि में विश्व महिला समानता दिवस पर ऑनलाइन कविता वाचन प्रतियोगिता का आयोजन

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय की लिटरेरी एंड डिबेटिंग सोसायटी व जेंडर चैंपियन क्लब द्वारा विश्व महिला समानता दिवस के अवसर पर एक ऑनलाइन कविता वाचन प्रतियोगिता का आयोजन. किया गया। छात्र कल्याण निदेशालय के निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया ने बताया कि इस प्रतियोगिता में 74 प्रतिभागियों ने भाग लिया था। इस दौरान हिन्दी कविता वाचन प्रतियोगिता में भावना ने प्रथम व सुनैना मलिक ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। अंग्रेजी कविता वाचन में वत्सल ने प्रथम, शुभम ने द्वितीय व श्रुति ने तृतीय स्थान हासिल किया। कविता वाचन का संचालन लिटरेरी एंड डिबेटिंग सोसायटी व जेंडर चैंपियन क्लब के सदस्यों डॉ. अपर्णा, डॉ. विरेंद्र दलाल, डॉ. अनुराग व डॉ. राजेश कथवाल द्वारा किया गया। इस अवसर पर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेन्द्र दहिया ने कहा कि महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पुरूषों से कम नहीं हैं। वे आज प्रत्येक क्षेत्र में पुरूषों के साथ कंधे-से-कंधा मिलाकर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दे रही हैं। इस अवसर पर देश के प्रत्येक जिम्मेदार नागरिक को प्रण लेना चाहिए कि वे समाज में महिलाओं के प्रति समानता का भाव अपनाते हुए उन्हें राष्ट्र हित में अपना योगदान देने के लिए ज्यादा अवसर प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में हर क्षेत्र में महिलाओं ने अपना लोहा मनवाया है। उन्होंने कहा कि वेद-पुराणों में भी कहा गया है कि जहां नारी की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....हिसार टुडे....
दिनांक 26.8.2020 पृष्ठ संख्या.....–..... कॉलम.....–.....

ऑनलाइन कविता वाचन में भावना रही प्रथम

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय की लिटरेरी एंड डिबेटिंग सोसायटी व जेंडर चैंपियन क्लब द्वारा विश्व महिला समानता दिवस के अवसर पर एक ऑनलाइन कविता वाचन प्रतियोगिता का आयोजन. किया गया। छात्र कल्याण निदेशालय के निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया ने बताया कि इस प्रतियोगिता में 74 प्रतिभागियों ने भाग लिया था। इस दौरान हिन्दी कविता वाचन प्रतियोगिता में भावना ने प्रथम व सुनैना मलिक ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। अंग्रेजी कविता वाचन में वत्सल ने प्रथम, शुभम ने द्वितीय व श्रुति ने तृतीय स्थान हासिल किया। कविता वाचन का संचालन लिटरेरी एंड डिबेटिंग सोसायटी व जेंडर चैंपियन क्लब के सदस्यों डॉ. अपर्णा, डॉ. विरेंद्र दलाल, डॉ. अनुराग व डॉ. राजेश कथवाल द्वारा किया गया। इस अवसर पर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेन्द्र दहिया ने कहा कि महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पुरूषों से कम नहीं हैं। वे आज प्रत्येक क्षेत्र में पुरूषों के साथ कंधे-से-कंधा मिलाकर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दे रही हैं। इस अवसर पर देश के प्रत्येक जिम्मेदार नागरिक को प्रण लेना चाहिए कि वे समाज में महिलाओं के प्रति समानता का भाव अपनाते हुए उन्हें राष्ट्र हित में अपना योगदान देने के लिए ज्यादा अवसर प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में हर क्षेत्र में महिलाओं ने अपना लोहा मनवाया है।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम..... जग मार्ग न्यूज .....
दिनांक 26 : 8 : 2020 पृष्ठ सं..... - ..... कॉलम..... - .....

प्रदेश के 10 किसान रहे वेबिनार के विजेता

जगमार्ग न्यूज

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि में विविधिकरण व नई तकनीकों को लेकर ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जे.पी. दलाल मुख्य अतिथि के तौर पर ऑनलाइन किसानों से रूबरू हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने की थी। वेबिनार का मुख्य विषय 'कृषि में विविधता = किसानों की आजीविका में सुधार के लिए अभिनव कार्यक्रम' था। इस बेबिनार के संयोजक कृषि वानिकी के विभागाध्यक्ष डॉ. आर.एस. ढिल्लों व समन्यवक डॉ. विरेंद्र दलाल थे। डॉ. विरेंद्र दलाल ने बताया कि कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों के 1517 किसानों व कृषि वैज्ञानिकों ने पंजीकरण करवाया था। कार्यक्रम के अंत में एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी आयोजित की गई थी, जिसमें सही जवाब देने वाले प्रथम 10 किसानों का चयन किया गया था। वेबिनार के दौरान किसानों से कृषि वैज्ञानिकों द्वारा दिए गए व्याख्यानों के आधार पर ही प्रश्न पूछे गए थे, जिनके किसानों ने जवाब दिए। हालांकि इस वेबिनार के दौरान किसानों ने कृषि वैज्ञानिकों से वेबिनार के माध्यम से कृषि संबंधी सवाल-जवाब किए व जिनका कृषि वैज्ञानिकों ने ऑनलाइन ही जवाब देकर समाधान किया।

ये किसान रहे विजेता

वेबिनार के समन्वयक डॉ. विरेंद्र दलाल ने बताया कि इस वेबिनार के माध्यम से प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के विजेताओं का चयन करना बहुत ही कठिन कार्य था। फिर भी किसानों द्वारा दिए गए सही जवाबों के आधार पर प्रदेश के विभिन्न जिलों के प्रथम 10 किसानों को चयनित किया गया है।